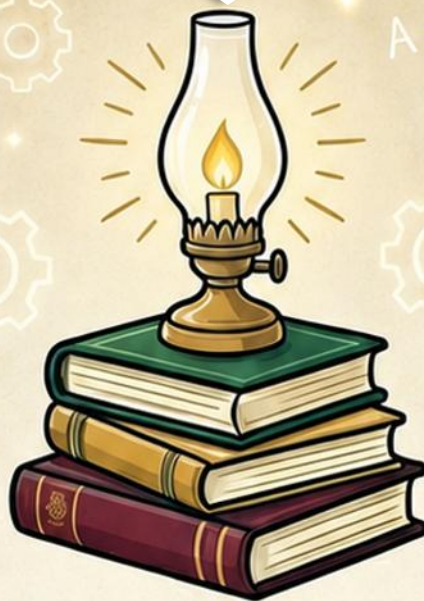




$$A = \frac{m}{(m^2 + c)^2}$$



NIOS PYQ's SOLUTIONS

$$\sqrt{a} = bc^2$$

$$\sqrt{h-x^2}$$

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS



APRIL-2026

Your Path to Success

सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. भरत जब राम से मिलने जाते हैं तो उस प्रसंग का शीर्षक आपकी पाठ्यपुस्तक में क्या दिया गया है ?

(क) भरत राम संवाद

(ख) भरत - सा भाई

(ग) भरत का भ्रातृ प्रेम

(घ) भरत और राम

उत्तर - (ग) भरत का भ्रातृ प्रेम

2. भरत के अनुसार विधाता क्या सहन नहीं कर पाया ?

(क) राम और भरत के बीच गहरे प्रेम भाव को

(ख) कौशल्या और राम के बीच गहरे प्रेम को

(ग) अयोध्या नगरी की सुख-समृद्धि को

(घ) कैकेयी के षड्यंत्र को

उत्तर - (क) राम और भरत के बीच गहरे प्रेम भाव को

3. 'राम ने कभी भी भरत का दिल नहीं दुखाया' इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है -

(क) खेलत खुनिस न कबहुँ देखी

(ख) हारेहुँ खेल जिता वहिं मोही

(ग) मो पर कृपा सनेहु बिसेषी

(घ) कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगु

उत्तर - (घ) कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगु

4. सूरदास द्वारा रचित 'पद' के आधार पर कॉलम-1 और कॉलम-2 को सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प छाँटकर लिखिए :

कॉलम - 1: 1. कर, 2. कंठ, 3. तन

कॉलम - 2: (i) रेनु, (ii) नवनीत, (iii) कठुला



विकल्प :

(क) (1-ii), (2-iii), (3-i)

(ख) (1-ii), (2-i), (3-iii)

(ग) (1-iii), (2-i), (3-ii)

(घ) (1-i), (2-iii), (3-ii)

उत्तर - (क) (1-ii), (2-iii), (3-i)

5. सूरदास द्वारा रचित पद में प्रधानता है -

(क) श्रृंगार रस की

(ख) वात्सल्य रस की

(ग) भक्ति रस की

(घ) करुण रस की

उत्तर - (ख) वात्सल्य रस की

6. बिहारी रचित दोहे के अनुसार श्रीकृष्ण को लग गई है।

(क) दुनियादारी की हवा

(ख) गायें चराने की लत

(ग) विश्राम की आदत

(घ) भक्तों को दर्शन देने की चाहत

उत्तर - (क) दुनियादारी की हवा

7. 'परशुराम के उपदेश' कविता कब लिखी गई ?

(क) भारत पर पाकिस्तान के आक्रमण के बाद

(ख) भारत पर चीन के आक्रमण के बाद

(ग) कौरवों और पाण्डवों के युद्ध के समय

(घ) अर्जुन द्वारा कुरुक्षेत्र में युद्ध न लड़ने के निर्णय के बाद



उत्तर - (ख) भारत पर चीन के आक्रमण के बाद

8. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कविता का कवि स्वयं को किसके बंधन में पाता है ?

(क) अतीत की स्मृतियों के

(ख) असमंजसता के

(ग) आत्मग्लानि के

(घ) रूढ़ियों और परंपरा के

उत्तर - (क) अतीत की स्मृतियों के

9. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में वयोवृद्ध कानों में सुनने का यंत्र लगाकर क्यों बैठते थे ?

(क) बाहर के शोर से बचने के लिए

(ख) बच्चों की आवाज़ से बचने के लिए

(ग) संगीत सभा का आनंद लेने के लिए

(घ) फिल्मी गीतों को सुनने के लिए

उत्तर - (ग) संगीत सभा का आनंद लेने के लिए

10. 'चीफ की दावत' कहानी में शामनाथ को 'मिस्टर शामनाथ' कहकर क्यों संबोधित किया गया है ?

(क) वह कहानी का प्रमुख पात्र है।

(ख) उसमें आधुनिक बनने की लालसा है।

(ग) उच्च शिक्षा प्राप्त अधिकारी है।

(घ) संवेदनहीन और नीरस व्यक्ति है।

उत्तर - (ख) उसमें आधुनिक बनने की लालसा है।

11. 'चीफ की दावत' कहानी में शामनाथ द्वारा माँ को खाने-पीने, उठने-बैठने आदि के लिए दिए गए निर्देशों द्वारा पता चलता है कि -

(क) अपनी माँ का पूरी तरह से देखभाल करता था।

(ख) उसमें मानवीय संस्कार और भावनाएँ लुप्त हो गई थीं।



(ग) वह घर में अपनी इच्छानुसार ही कार्य करवाता था।

(घ) वह माँ का खूब आदर सम्मान करता था।

उत्तर - (ख) उसमें मानवीय संस्कार और भावनाएँ लुप्त हो गई थीं।

12. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में वृद्धों के अनुसार तरुणों ने उन्हें वंचित किया -

(क) उनके अधिकारों से

(ख) भोज्य पदार्थों से

(ग) घूमने-फिरने से

(घ) धन-संपत्ति से

उत्तर - (क) उनके अधिकारों से

13. 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में वयोवृद्ध साहित्यकारों द्वारा अपनाए गए कृत्रिम उपायों का वर्णन क्यों किया गया है ?

(क) उनकी शारीरिक दुर्बलता को दिखाने के लिए

(ख) विज्ञान प्रदत्त सुविधा का प्रभाव दिखाने के लिए

(ग) उनके जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख करने के लिए

(घ) उनकी कठिन जिजीविषा का उल्लेख करने के लिए

उत्तर - (क) उनकी शारीरिक दुर्बलता को दिखाने के लिए

14. सुभद्रा कुमारी चौहान की उग्रता का अंतिम परिचय कब प्राप्त होता है ?

(क) उनकी पुत्री के विवाह के समय

(ख) पति की जेल - यात्रा के समय

(ग) कविता लेखन कर्म के पकड़े जाने के दिन

(घ) विश्ववेद्य बापू के अस्थि विसर्जन के दिन

उत्तर - (घ) विश्ववेद्य बापू के अस्थि विसर्जन के दिन



15. सुभद्रा कुमारी द्वारा अपनी पुत्री का विवाह गैर जाति के वर से करना दिखाता है कि वह -

- (क) विचारों से आधुनिक थी
- (ख) उदार चेतना वाली थी
- (ग) सहज और सरल थी
- (घ) दृढ़ इच्छा शक्ति की महिला थी

उत्तर - (ख) उदार चेतना वाली थी

16. किसकी गणना कवयित्रियों में नहीं होती ?

- (क) महादेवी वर्मा
- (ख) सुभद्रा कुमारी चौहान
- (ग) सुमित्रानंदन पंत
- (घ) सुमित्रा कुमारी सिन्हा

उत्तर - (ग) सुमित्रानंदन पंत

17. 'अंडमान डायरी' के आधार पर लिखिए कि फाँसीघर के सामने की कारा की दूसरी मंज़िल की सबसे अंतिम कोठरी किसकी थी ?

- (क) वीर सावरकर की
- (ख) सावरकर के भाई की
- (ग) अंग्रेज़ अफसर की
- (घ) फाँसी दी जानेवाली कैदी की

उत्तर - (ख) सावरकर के भाई की

18. 'अंडमान डायरी' में 'चिड़ियाँ' प्रतीकार्थ है-

- (क) स्वतंत्रता का
- (ख) स्वतंत्रता सेनानियों की
- (ग) मृत आत्माओं की



(घ) आकाश में उड़ते पक्षियों की

उत्तर - (ग) मृत आत्माओं की

19. अर्द्ध सरकारी पत्रों में नहीं होता -

(क) संबोधन

(ख) धन्यवाद ज्ञापन

(ग) स्व - निर्देश

(घ) पृष्ठांकन

उत्तर - (घ) पृष्ठांकन

20. कार्यालयों के संवाद के माध्यम से होता है।

(क) परिपत्र

(ख) सरकारी पत्र

(ग) टिप्पण

(घ) अर्द्ध सरकारी पत्र

उत्तर - (ख) सरकारी पत्र

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही / गलत में लिखिए :

(i) प्रारूप तैयार करते समय पत्राचार के विभिन्न रूपों की जानकारी आवश्यक है।

(ii) सारे अखबारों के ई-पेपर इंटरनेट पर मुफ्त में उपलब्ध हैं।

(iii) विज्ञापन के माध्यम से लोगों का मनोरंजन होता है।

उत्तर -

(i) सही

(ii) गलत (सारे अखबार मुफ्त में उपलब्ध नहीं हैं)

(iii) गलत (विज्ञापन का मुख्य उद्देश्य जानकारी देना और बिक्री बढ़ाना है, केवल मनोरंजन नहीं)



22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए :

- (i) अंडमान द्वीप समूह का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
- (ii) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में किस कुप्रथा की ओर संकेत किया गया है ?
- (iii) 'चीफ की दावत' पाठ किस साहित्यिक विधा में लिखा गया है ?

उत्तर -

- (i) अंडमान द्वीप समूह का मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में स्थित है।
- (ii) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में विवाह के लिए लड़की को देखने-दिखाने की कुप्रथा की ओर संकेत किया गया है।
- (iii) 'चीफ की दावत' पाठ कहानी विधा में लिखा गया है।

23. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

माई री म्हाँ लियाँ गोविन्दाँ मोल।

थे कहां छाणें म्हाँ कहां चोड्डे, लियाँ बजन्ता ढोल।

थे कहां मुँहघो म्हाँ कहां सस्तो, लिया री तराजाँ तोल।

तण वारा म्हाँ जीवण वाराँ, वाराँ अमोलक मोल।

मीराँ कूं प्रभु दरसण दीज्याँ, पूरब जनम को कोल ।।

(i) 'लिया री तराजाँ तोल' से क्या आशय है ?

(क) सोच-समझकर निर्णय लेना

(ख) तराजू से तौल कर लेना

(ग) गुण-अवगुण देखना

(घ) छाँटकर चुनना

उत्तर - (क) सोच-समझकर निर्णय लेना

(ii) 'ढोल बजाकर लेना' से क्या अभिप्राय है ?

(क) गाजे बाजे के साथ कृष्ण से प्रेम संबंध स्वीकारना



(ख) सार्वजनिक रूप से कृष्ण से प्रेम संबंध की घोषणा करना

(ग) नगाड़े पीटकर प्रेम की घोषणा करना

(घ) श्रीकृष्ण को खरीदने की खुशी में ढोल बजाना

उत्तर - (ख) सार्वजनिक रूप से कृष्ण से प्रेम संबंध की घोषणा करना

(iii) 'मुँहाघौ' शब्द का अर्थ है -

(क) अंधेरा

(ख) महँगा

(ग) उलटा

(घ) अमूल्य

उत्तर - (ख) महँगा

(iv) पद की भाषा में प्रधानता है -

(क) राजस्थानी शब्दों की

(ख) खड़ी बोली के शब्दों की

(ग) तत्सम शब्दों की

(घ) अवधी भाषा के शब्दों की

उत्तर - (क) राजस्थानी शब्दों की

(v) श्रीकृष्ण को पाने के लिए मीरा ने क्या मूल्य चुकाया ?

(क) मान सम्मान

(ख) धन - राशि

(ग) मणि माणिक्य

(घ) सोना - चाँदी

उत्तर - (क) मान सम्मान



(vi) काव्यांश के अनुरूप 'छाणे' शब्द का अर्थ है -

(क) छानकर

(ख) छिपकर

(ग) फैलकर

(घ) रुककर

उत्तर - (ख) छिपकर

(vii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : मीरा श्रीकृष्ण से दर्शन देने की प्रार्थना कर रही है।

कारण : कृष्ण ने उन्हें पूर्वजन्म में दर्शन देने का वचन दिया था।

(क) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(ख) कारण गलत है लेकिन कथन सही है।

(ग) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं।

उत्तर - (घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं।

24. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

कहते हैं, पर्वत शोभा निकेतन होते हैं। फिर हिमालय का तो कहना ही क्या ! पूर्व और अपर समुद्र - महोदधि और रत्नाकर दोनों को दोनों भुजाओं से थामता हुआ हिमालय पृथ्वी का 'मानदंड' कहा जाय तो गलत क्या है ? कालिदास ने ऐसा ही कहा था। इसी के पाद देश में यह श्रृंखला दूर तक लोटी हुई है, लोग इसे 'शिवालिक' श्रृंखला' कहते हैं। 'शिवालिक' का क्या अर्थ है ? 'शिवालिक' या शिव के जटाजूट का निचला हिस्सा तो नहीं है? लगता तो ऐसा ही है ? 'सपादलक्ष' या सवा लाख की मालगुजारी वाला इलाका तो वह लगता नहीं! शिव की लटियाई जटा ही इतनी सूखी, नीरस और कठोर हो सकती है। वैसे, अलकनंदा का स्रोत यहाँ से काफी दूरी पर है, लेकिन शिव का अलक तो दूर-दूर तक छितराया ही रहता होगा।

(i) गद्यांश के लेखक हैं -

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी



(ग) राजेंद्र यादव

(घ) महादेवी वर्मा

उत्तर - (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) गद्यांश के पाठ का नाम है -

(क) जिजीविषा की विजय

(ख) जिजीविषा और शिवालिक

(ग) अंडमान-डायरी

(घ) कुटज

उत्तर - (घ) कुटज

(iii) हिमालय को पृथ्वी का मानदंड क्यों कहा गया है ?

(क) सबसे ऊँची पर्वत-श्रृंखला होने के कारण

(ख) दोनों समुद्रों के बीच थामे पैमाने होने के कारण

(ग) सौंदर्य का भंडार होने के कारण

(घ) पृथ्वी को दोनों हाथों से थामने के कारण

उत्तर - (ख) दोनों समुद्रों के बीच थामे पैमाने होने के कारण

(iv) गद्यांश में शिवालिक की छितराई श्रृंखलाओं को कहा गया है -

(क) हिमालय पर्वत की चोटियाँ

(ख) समुद्र की लहरें

(ग) पृथ्वी को नापने के यंत्र

(घ) भगवान शिव की जटाएँ

उत्तर - (घ) भगवान शिव की जटाएँ

(v) लेखक ने शिवालिक श्रृंखला पर पाई जाने वाली वनस्पति की तुलना किसके साथ की है ?

(क) भगवान शिव से



(ख) शिव की जटाओं से

(ग) अलकनंदा की धारा से

(घ) सूखी, नीरस और कठोर धरती से

उत्तर - (ख) शिव की जटाओं से

(vi) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प को छाँटकर लिखिए :

कथन : शिवालिक सवा लाख की मालगुजारी वाला इलाका नहीं है।

कारण : जल का स्रोत नहीं होने से यहाँ हरियाली का अभाव है।

(क) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(ख) कारण सही है लेकिन कथन गलत है।

(ग) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर - (ग) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(vii) पाठ में 'स्रोत' शब्द का अर्थ है -

(क) उद्गम स्थल

(ख) छिद्र

(ग) साधन

(घ) संसाधन

उत्तर - (क) उद्गम स्थल

25. व्याकरण संबंधी निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(i) विलोम शब्द लिखिए -

(क) जीवित (ख) शुष्क

उत्तर - (क) जीवित - मृत/मरण (ख) शुष्क - आर्द्र/गीला

(ii) उपसर्ग / प्रत्यय अलग कीजिए -



(क) अवमानना (ख) ऐतिहासिक

उत्तर - (क) अव (उपसर्ग) (ख) इक (प्रत्यय)

(iii) विराम-चिह्न लगाइए :

इस गिरिकूट बिहारी का नाम क्या है

उत्तर - इस गिरिकूट बिहारी का नाम क्या है?

(iv) वाक्य शुद्ध करके पुनः लिखिए -

पेड़ में पक्षी चहचहा रहे हैं।

उत्तर - पेड़ पर पक्षी चहचहा रहे हैं।

(v) सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए -

नाम उस पद को कहते हैं, जिसे सामाजिक स्वीकृति प्राप्त हो।

उत्तर - सामाजिक स्वीकृति प्राप्त पद को नाम कहते हैं।

(vi) 'दाँत निपोरना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर - चोरी पकड़े जाने पर वह सबके सामने दाँत निपोरने लगा।

(vii) संधि विच्छेद कीजिए : (क) उल्लास (ख) गिरीश

उत्तर - (क) उत् + लास : उल्लास

(ख) गिरि + ईश : गिरीश

(viii) समास विग्रह करते हुए समास का नाम भी लिखिए। नीलोत्पल

उत्तर - नीला है जो उत्पल - नीलोत्पल (कर्मधारय समास)

(ix) वाच्य भेद लिखिए :

राम से चला नहीं जाता।

उत्तर - भाववाच्य

(x) अर्थ की दृष्टि से वाक्य - भेद लिखिए : चुपचाप बैठ जाओ।

उत्तर - आज्ञावाचक वाक्य



26. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) सोभित कर नवनीत लिए।

घुटुरुनि चलत रेनु तन मंडित, मुख दधि लेप किये।

चारु कपोल, लोल लोचन, गोरोचन तिलक दिये।

लट - लटकनि मनु मत्त मधुप गन मादक मधुहिं पिए।

कठुला - कंठ वज्र केहरि नख राजत रुचिर हिए।

धन्य सूर एकौ पल इहिं सुख, का सत कल्प जिए।

उत्तर -

सोभित कर सत कल्प जिए।

प्रसंग : प्रस्तुत पद कवि सूरदास द्वारा रचित 'सूरसागर' से लिया गया है। इस पद में कवि ने बालक श्रीकृष्ण के मनमोहक रूप, उनकी बाल-लीलाओं और भोलेपन का अत्यंत सुंदर चित्रण किया है।

व्याख्या : सूरदास जी कहते हैं कि श्रीकृष्ण अभी बहुत छोटे हैं और घुटनों के बल चलते हैं। उनके एक हाथ में ताज़ा निकला हुआ मक्खन है, जिसे पकड़े हुए वे इधर-उधर घूमते हैं। घुटनों के बल चलने के कारण उनके शरीर पर धूल लग गई है, लेकिन वह धूल भी उनके सौंदर्य को और अधिक बढ़ा रही है।

उनके मुख पर दही लगा हुआ है, मानो उन्होंने स्वयं दही का लेप कर लिया हो। उनके गोल-मटोल गाल, चंचल नेत्र और माथे पर लगा गोरोचन का तिलक उनकी शोभा को और आकर्षक बना देता है।

सूरदास जी आगे कहते हैं कि चलते समय उनके घुँघराले बालों की लटें बार-बार गालों पर झूलती हैं। ऐसा लगता है, मानो मधुमक्खियाँ फूलों का मधुर रस पीकर मस्ती में झूम रही हों। गले में पहनी हुई कठुली और सिंहनख उनके बालरूप की सुंदरता को और बढ़ा देते हैं।

अंत में सूरदास कहते हैं कि श्रीकृष्ण के इस बाल रूप का दर्शन अगर एक पल को भी हो जाए, तो जीवन सफल हो जाता है। अगर ऐसा न हो, तो हजारों वर्षों तक जीना भी बेकार है।

विशेष-

- 1) श्रीकृष्ण के बाल रूप का बिंबात्मक व मनोहारी चित्रण किया गया है।
- 2) ब्रजभाषा का प्रयोग किया गया है।
- 3) वात्सल्य रस का प्रयोग किया गया है।
- 4) 'कपोल लोल लोचन', 'मंडित मुख', 'मनु मत्त मधुप' में अनुप्रास अलंकार हैं।



- 5) 'लट लटकनि मनु मधुहिं पिए' में उत्प्रेक्षा अलंकार है।
- 6) प्रत्येक पंक्ति में नाद-सौंदर्य भी है।

अथवा

(ii) आँधियाँ नहीं जिसमें उमंग भरती हैं

छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं

शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है

वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है।

पकड़ो अयाल, अन्धड़ पर उछल चढ़ो रे

किरिचों पर अपने तन का चाम मढ़ो रे !

उत्तर -

आँधियाँ नहीं चाम मढ़ो रे !

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ रामधारी सिंह दिनकर की कविता 'परशुराम के उपदेश' से ली गई हैं। इस कविता में कवि ने भारत पर चीन के आक्रमण के बाद देशवासियों में वीरता, राष्ट्रप्रेम, आत्मसम्मान तथा संघर्ष की भावना जगाते हुए राष्ट्ररक्षा का संदेश दिया है।

व्याख्या : इस अंश के माध्यम से कवि देशवासियों में साहस, उत्साह और वीरता का भाव जगाते हुए यह बताना चाहते हैं कि जिस देश के लोग कठिन परिस्थितियों में डर जाएँ, छाती संगीनों के वारों से कांपने लगे और खून बहाने के स्थान पर केवल आँसू बहाएँ, वह देश कभी स्वतंत्र नहीं रह सकता। स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जोखिम उठाना और संघर्ष करना अनिवार्य है।

कवि आगे आह्वान करता है कि शेर के अयाल (गर्दन के बाल) पकड़ने का साहस रखो, तूफानों पर विजय पाने का हौसला दिखाओ और अपने शरीर को युद्ध में बलीदान देने से मत घबराओ। इसका अर्थ यह है कि स्वाधीनता केवल अधिकार नहीं, बल्कि उसे बनाए रखने के लिए साहस, पराक्रम और बलिदान आवश्यक हैं। जिन देशवासियों में यह वीरता होगी, वही देश स्वाधीन (स्वतंत्र) रह सकता है। कवि का मुख्य संदेश है कि राष्ट्र की रक्षा और स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए हमें **भय, आलस्य और दुर्बलता** को त्यागकर **संघर्ष और बलिदान** के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

विशेष :

- 1) तत्सम शब्दों का प्रयोग किया गया है।
- 2) कवि वीरों को **साहस, हौसला और बलिदान** दिखाने की शिक्षा दे रहे हैं।



3) कविता की लयात्मकता और गत्यात्मकता सराहनीय है, जिससे कविता के वाचन में अद्भुत आनंद आता है।

27. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) पद्माकर रचित कवित्त के आधार पर गोपी की विवशता का वर्णन कीजिए।

उत्तर - पद्माकर के कवित्त में गोपी की विवशता यह है कि होली खेलते समय उसकी आँखों में अबीर के साथ नंदलाल की सुंदर छवि भी बस गई है। वह आँखें धोकर अबीर तो निकाल देती है, परंतु अनेक प्रयासों के बाद भी श्रीकृष्ण की छवि को आँखों और मन से नहीं निकाल पाती। यही उसकी प्रेमजनित विवशता है।

(ख) 'गज़ल' कविता के संदर्भ में लिखिए कि कवि समाज में किस तरह का परिवर्तन लाना चाहता है ?

उत्तर - 'गज़ल' कविता के संदर्भ में कवि दुष्यंत कुमार समाज में केवल दिखावे के लिए हंगामा नहीं चाहते, बल्कि वे बुनियादी और सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि समाज के दबे-कुचले लोग अपने हकों के लिए जागरूक हों और शोषण के खिलाफ हर सीने में विद्रोह की आग जले।

(ग) आपकी दृष्टि में संयुक्त परिवार अधिक बेहतर है या एकल परिवार, कारण सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर - मेरी दृष्टि में संयुक्त परिवार अधिक बेहतर है, क्योंकि इसमें परिवार के सभी सदस्य मिल-जुलकर रहते हैं और सुख-दुःख में एक-दूसरे का साथ देते हैं। घर में कोई न कोई सदस्य उपस्थित रहता है तथा अतिथियों का स्वागत भी आत्मीयता से होता है। संयुक्त परिवार बच्चों को प्रेम, सुरक्षा, सहयोग और अच्छे संस्कार प्रदान करता है तथा अकेलापन दूर करता है।

28. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कम देकर, ज्यादा पाने की आदत बहुत बुरी है;

तन का पूरा पड़ जाए, मन रीता रहता है !

कभी न चुकने वाला ऋण है, जीना बहुत कठिन है;

यों मरने तक हर जीने वाला जीता रहता है !

आते हैं फल उन वृक्षों पर जो न उन्हें खाते हैं;

छाँह जहाँ मिलती औरों को छत्र वहाँ छाते हैं;

गाते हैं जो गीत, कभी अपने न गीत गाते हैं;

हेम - हिमावत कब अपने हित हिम आतप सहता है !

(i) काव्यांश में किस आदत को बुरा कहा है और क्यों ?



उत्तर - कम देकर ज्यादा पाने की आदत को बुरा कहा गया है क्योंकि इससे स्वार्थ बढ़ता है।

(ii) 'तन का पूरा पड़ भी जाए, पर मन रीता रहता है' से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर - 'तन का पूरा पड़ भी जाए, पर मन रीता रहता है' से अभिप्राय है कि भौतिक ज़रूरतें पूरी होने पर भी मन की शांति और संतुष्टि न होने से मन खाली रहता है।

(iii) वृक्ष मनुष्यों पर क्या उपकार करते हैं ?

उत्तर - वृक्ष अपना फल स्वयं नहीं खाते, बल्कि वे दूसरों को अपने फल देते हैं और औरों को अपनी छाया (छाँह) प्रदान करके उन पर उपकार करते हैं।

(iv) जीवन को कैसा ऋण कहा गया है क्यों ?

उत्तर - जीवन को "कभी न चुकने वाला ऋण" कहा गया है क्योंकि मनुष्य मरने तक हर दिन इस ऋण को उतारने के लिए निरंतर जीता रहता है और संघर्ष करता रहता है।

(v) हिमालय का उदाहरण यहाँ क्यों दिया गया है ?

उत्तर - हिमालय (हेम-हिमावत) का उदाहरण परोपकार की भावना को दर्शाने के लिए दिया गया है। यह बताता है कि हिमालय अपने स्वयं के हित के लिए नहीं, बल्कि दूसरों की भलाई के लिए हिम (बर्फ) और आतप (धूप/कष्ट) सहता है।

29. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए :

(i) हमारे शैशवकालीन अतीत और प्रत्यक्ष वर्तमान के बीच समय प्रवाह का पाठ ज्यों- ज्यों चौड़ा होता जाता है त्यों - त्यों हमारी स्मृति में अनजाने में ही एक परिवर्तन लक्षित होने लगता है, शैशव की चित्रशाला के जिन चित्रों से हमारा रागात्मक संबंध गहरा होता है, उनकी रेखाएँ और रंग इतने स्पष्ट और चमकीले होते चलते हैं कि हम वार्धक्य की धुँधली आँखों से भी उन्हें प्रत्यक्ष देखते रह सकते हैं। पर जिनसे ऐसा संबंध नहीं होता वे फीके होते - होते इस प्रकार स्मृति से धुल जाते हैं कि दूसरों के स्मरण दिलाने पर भी उनका स्मरण कठिन हो जाता है।

उत्तर -

हमारे शैशवकालीन अतीत कठिन हो जाता है।

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश महादेवी वर्मा द्वारा लिखित संस्मरण 'सुभद्रा कुमारी चौहान' से लिया गया है। इसमें लेखिका ने अपनी बचपन की सहपाठीनी और प्रिय मित्र सुभद्रा कुमारी चौहान से जुड़ी स्मृतियों का वर्णन किया है।

व्याख्या : लेखिका के अनुसार जैसे-जैसे बचपन और वर्तमान के बीच समय का अंतर बढ़ता जाता है, हमारी स्मृतियों में परिवर्तन आने लगता है। बचपन की जिन घटनाओं और व्यक्तियों से हमारा गहरा प्रेम तथा लगाव होता है, उनकी स्मृतियाँ समय के साथ अधिक स्पष्ट और चमकीली होती जाती हैं। वृद्धावस्था में आँखों की दृष्टि धुँधली होने पर भी वे स्मृतियाँ मन में



सजीव बनी रहती हैं। इसके विपरीत, जिन घटनाओं और व्यक्तियों से हमारा भावनात्मक संबंध नहीं होता, उनकी यादें धीरे-धीरे फीकी पड़कर स्मृति से मिट जाती हैं। बाद में किसी के याद दिलाने पर भी उनका स्मरण करना कठिन हो जाता है।

विशेष :

1. लेखिका ने 'शैशवकालीन अतीत' और 'प्रत्यक्ष वर्तमान' की तुलना की है।
2. पाठ में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग हुआ है।
3. चित्रात्मक और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है।
4. संवादात्मक शैली के कारण पाठ रोचक और प्रभावशाली बन गया है।

अथवा

(ii) देखो, हम तुम्हें किस तरह नहला धुला कर पवित्र करते हैं (गंगा जल नहीं हुआ तो क्या हुआ, काला पानी तो है), और अब तुम्हें उस लोक में भेजते हैं, जहाँ फाँसी नहीं होती कम से कम 'अज़ादी' चीख पड़ने पर फाँसी नहीं होती, जहाँ कोड़े नहीं लगाए जाते (नरक में जरूर लगाए जाते हैं, मगर अंडमान आने के बाद नरक जाने की जरूरत ही क्या?) जहाँ वह शरीर ही नहीं जिसे लटकाया जा सकें।

उत्तर -

देखो, हम तुम्हें लटकाया जा सकें।

प्रसंग: यह गद्यांश पाठ 'अंडमान डायरी' से लिया गया है, जिसके लेखक श्रीकांत वर्मा हैं। इस अंश में लेखक ने सेलुलर जेल (काले पानी) में अंग्रेज अधिकारियों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों पर किए जाने वाले क्रूर अत्याचारों और उनके व्यंग्यात्मक (मजाक उड़ाने वाले) व्यवहार का मार्मिक चित्रण किया है।

व्याख्या : प्रस्तुत गद्यांश में जेल के क्रूर अंग्रेज अधिकारी भारतीय कैदियों (स्वतंत्रता सेनानियों) पर ताना मारते हुए कहते हैं कि देखो, हम तुम्हें यहाँ किस तरह नहला-धुलाकर पवित्र कर रहे हैं। वे कैदियों का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि अगर यहाँ गंगाजल नहीं है तो क्या हुआ, यह 'काला पानी' तो है। अधिकारी कैदियों पर कठोर व्यंग्य करते हैं कि अब तुम्हें उस लोक (सेलुलर जेल) में भेजा जा रहा है जहाँ फाँसी नहीं होती। कम से कम 'आजादी' का नारा लगाने पर फाँसी तो नहीं दी जाती। वे कहते हैं कि यहाँ कोड़े नहीं लगते, बल्कि यह जगह नरक से भी बदतर है, जहाँ शरीर को लटकाने की जरूरत ही नहीं पड़ती क्योंकि इंसान इन अमानवीय यातनाओं को सहते-सहते जीते जी ही मर जाता है।

विशेष :

1. इस गद्यांश में अंग्रेजी शासन की क्रूरता और अमानवीयता का सीधा और सच्चा वर्णन किया गया है।
2. अधिकारियों के संवाद में गहरा व्यंग्य और कटाक्ष छिपा है, जो दिल को झकझोर देता है।
3. 'गंगाजल' और 'काला पानी' की तुलना करके भाषा को बहुत ही तीखा और चोट करने वाला बनाया गया है।



4. भाषा आम बोलचाल की और आसानी से समझ में आने वाली है।

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में क्या गोपाल प्रसाद और रामस्वरूप दोनों को एक ही श्रेणी में रखा जा सकता है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर - हाँ, गोपाल प्रसाद और रामस्वरूप दोनों को एक ही श्रेणी में रखा जा सकता है, क्योंकि दोनों विवाह के मामले में रूढ़िवादी और पुरुष-प्रधान सोच रखते हैं। गोपाल प्रसाद स्त्री-शिक्षा का विरोध करते हैं और विवाह को 'बिजनेस' मानते हैं। वहीं रामस्वरूप शिक्षित बेटी उमा की योग्यता छिपाकर उसे लड़के वालों के सामने प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकार दोनों पुरानी सामाजिक मान्यताओं के आगे समझौता करते दिखाई देते हैं।

(ख) 'चीफ की दावत' कहानी में 'माँ का क्या होगा' संवाद पूरी कहानी का केंद्र है। इसकी पुष्टि कीजिए।

उत्तर - 'चीफ की दावत' कहानी में 'माँ का क्या होगा' संवाद पूरी कहानी का केंद्र है क्योंकि यह आधुनिक युवा पीढ़ी के स्वार्थ और संवेदनहीनता को दर्शाता है। शामनाथ अपनी तरक्की के लिए अपने बॉस को दावत पर बुलाता है, जहाँ उसे अपनी ही बूढ़ी और अनपढ़ माँ एक अवांछित बोझ और रुकावट लगने लगती है, जिसे वह मेहमानों की नज़रों से छिपाना चाहता है।

(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में तरुणों ने वृद्धों को देवता क्यों बनाया ?

उत्तर - 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में युवाओं (तरुणों) ने बुजुर्गों को देवता इसलिए बनाया ताकि वे उन्हें सम्मान देने का दिखावा कर सकें। उनका असली मकसद बुजुर्गों को घर के हकों और जरूरी फैसलों से दूर करना था। वे चाहते थे कि बुजुर्ग चुपचाप एक कोने में बैठे रहें, जिससे युवाओं की आज़ादी और रहन-सहन में कोई रोक-टोक या दखलंदाजी न हो।

31. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

देश प्रेम क्या है ? प्रेम ही तो है। बिना परिचय के प्रेम नहीं हो सकता। इस प्रेम का आलंबन क्या है? क्या सारा देश अर्थात् मनुष्य, पशु पक्षी, नदी नाले, वन पर्वत, सागर अर्थात् सारी भूमि उसके सभी जीव देश ही तो है। यह प्रेम किस प्रकार का है ? साहचर्यगत प्रेम है। जिनके बीच हम रहते हैं, जिन्हें हम रोज आँखों से देखते हैं, जिनकी बातें हम रोज सुनते हैं अर्थात् जिनके सान्निध्य के हम अभ्यासी हो जाते हैं। पशु और बालक भी जिनके साथ अधिक रहते हैं, उनसे परच जाते हैं। यह परचना परिचय ही है और परिचय ही प्रेम का प्रवर्तक है। यदि प्रेम वास्तव में अन्तःकरण का कोई भाव है तो देश के स्वरूप से परिचित और अभ्यस्त हो जाइए।

बाहर निकलिये तो आँख खोलकर देखिए कि खेत कैसे लहलहा रहे हैं, नाले झाड़ियों के बीच कैसे बह रहे हैं, कछारों में चौपायों के झुंड इधर उधर चरते हैं, चरवाहे तान लड़ा रहे हैं, उनमें घुसिए, देखिए तो क्या हो रहा है। जो मिले उनसे दो बातें कीजिए, इसलिए कि वे सब हमारे देश के हैं। इस प्रकार जब देश का रूप आपकी बुद्धि में समा जाएगा, आप उसके अंग



प्रत्यंग से परिचित हो जाएँगे, तब आपके अंतकरण में इच्छा का सचमुच उदय होगा कि वह कभी न छूटें, वह सदा हरा भरा और फला फूले रहे, उसके धन धान्य की वृद्धि हो, उसके सभी प्राणी सुखी रहें।

(i) गद्यांश में प्रयुक्त 'परचना' से क्या अभिप्राय है ? उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर - 'परचना' का अर्थ है किसी के सानिध्य में रहने से उससे घनिष्ठता या आदत हो जाना। उदाहरण: पशु और बच्चे जिनके साथ ज्यादा रहते हैं, उनसे परच (घुल-मिल) जाते हैं।

(ii) परिचय को प्रेम का प्रवर्तक कैसे माना जा सकता है ?

उत्तर - जब हम लोगों को रोज़ देखते-सुनते हैं, तो उनके साथ रहने के अभ्यासी हो जाते हैं, और यही परिचय धीरे-धीरे प्रेम का रूप ले लेता है।

(iii) देश के स्वरूप से परिचित और अभ्यस्त होने के लिए क्या करना होगा ?

उत्तर - देश के स्वरूप से परिचित होने के लिए घर से बाहर निकलकर लहलहाते खेतों, नदियों, प्रकृति और देशवासियों से मिलना-जुलना और बातें करनी होंगी।

(iv) देश के अंग प्रत्यंग से परिचित होने पर मन में किन भावनाओं का जन्म होता है ?

उत्तर - मन में इच्छा होती है कि यह देश हमेशा फलता-फूलता और हरा-भरा रहे, धन-धान्य की वृद्धि हो और सभी प्राणी सुखी रहें।

(v) गद्यांश के लिए एक शीर्षक दीजिए।

उत्तर - शीर्षक : वास्तविक देश-प्रेम।



32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य द्वारा प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निर्देशालय के भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण हेतु मिले पत्र पर टिप्पण लिखिए।

उत्तर -

क्रम संख्या 45 (आवृत्ति)

पृष्ठ संख्या 12 (पत्राचार)

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निर्देशालय से प्राप्त पत्र के संदर्भ में अवगत कराना है कि संस्थान के मुख्य भवन और कार्यशाला की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है। वर्षा ऋतु से पूर्व इनकी तत्काल मरम्मत एवं अनुरक्षण अति आवश्यक है।

अतः मरम्मत कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग (PWD) से अनुमानित खर्च (एस्टीमेट) माँगने हेतु पत्र का प्रारूप तैयार कर लिया गया है।

हस्ताक्षर (प्रस्तुत कर्त्ता) : दिनेश

पदनाम : प्रधानाचार्य (राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान)

दिनांक : 26 / 08 / 2026



(ख) अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदी के किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

उत्तर -

रोहिणी Block - B

नई दिल्ली, 1100XX

दिनांक : 26 अगस्त 2026

सेवा में,

संपादक महोदय

दैनिक जागरण, नई दिल्ली

विषय : अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं के संबंध में।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र के माध्यम से अस्पतालों में डॉक्टरों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार और मारपीट की बढ़ती घटनाओं पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करना चाहती हूँ। डॉक्टर दिन-रात मरीजों की जान बचाने के लिए संघर्ष करते हैं; ऐसे में उनके साथ अभद्रता करना बेहद निंदनीय और शर्मनाक है।

मेरा सरकार और अस्पताल प्रशासन से अनुरोध है कि वे डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कड़े नियम और उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि वे बिना किसी डर के अपना कर्तव्य निभा सकें।

भवदीया,

आंचल

(एक जागरूक नागरिक)



33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए :

(क) साहित्यिक हिंदी की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - साहित्यिक हिंदी का प्रयोग मुख्य रूप से कविता, कहानी या निबंध आदि लिखने में किया जाता है। इसकी तीन प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

1. **शुद्ध और व्याकरण सम्मत** : यह भाषा व्याकरण के नियमों से बंधी और बिल्कुल शुद्ध (परिष्कृत) होती है।
2. **तत्सम शब्दों का प्रयोग** : इसमें संस्कृत के मूल शब्दों (तत्सम) का अधिक इस्तेमाल होता है, जिससे यह प्रभावशाली लगती है।
3. **अलंकारिक और आकर्षक** : इसे सुंदर बनाने के लिए मुहावरों, लोकोक्तियों और अलंकारों का प्रयोग किया जाता है।

(ख) संचार माध्यमों में प्रयुक्त होनेवाली भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्र की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - संचार माध्यमों (जैसे- टीवी, अखबार, रेडियो, इंटरनेट) में इस्तेमाल होने वाली भाषा का मुख्य उद्देश्य आम जनता तक जानकारी पहुँचाना है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं :

- **सरलता और स्पष्टता** : यह भाषा बहुत आसान और स्पष्ट होती है ताकि कम पढ़ा-लिखा इंसान भी इसे आसानी से समझ सके।
- **संक्षिप्तता (छोटा रूप)** : इसमें बातों को घुमा-फिराकर कहने के बजाय सीधे, कम और सटीक शब्दों में कहा जाता है।
- **रोचकता** : लोगों का ध्यान खींचने के लिए इसके शीर्षक और वाक्य बहुत आकर्षक और प्रभावपूर्ण बनाए जाते हैं।

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में लिखिए :

(क) बातचीत के उपकरण के रूप में विकसित मोबाइल फोन न्यू मीडिया का प्रमुख संवाहक कैसे हो गया ?

उत्तर - शुरुआत में मोबाइल फोन का इस्तेमाल सिर्फ बातचीत करने (कॉल) और छोटे संदेश भेजने के लिए होता था। लेकिन जब से स्मार्टफोन और तेज़ इंटरनेट आया है, तब से इसमें बहुत बड़ा बदलाव आ गया है। आज का मोबाइल एक छोटे कंप्यूटर की तरह है, जिसमें फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसी चीजें बहुत आसानी से चलती हैं। इसके अच्छे कैमरे की मदद से अब कोई भी आम आदमी आसानी से अपनी वीडियो, फोटो या खबरें बनाकर पूरी दुनिया तक पहुँचा सकता है। इसे जेब में रखकर कहीं भी आसानी से ले जाया जा सकता है।

इस तरह, अपनी इन्हीं खूबियों और इंटरनेट की ताकत के कारण ही, बातचीत के उपकरण के रूप में विकसित मोबाइल फोन आज 'न्यू मीडिया' का प्रमुख संवाहक हो गया है।



(ख) टंकण या टाइपिंग किसे कहते हैं? हिंदी में टंकण करने के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - टंकण का अर्थ है किसी मशीन (जैसे टाइपराइटर) या कंप्यूटर/मोबाइल के कीबोर्ड (कुंजीपटल) के बटनों को दबाकर स्क्रीन या कागज़ पर अक्षर उकेरने या लिखने की प्रक्रिया। हिंदी में टंकण मुख्य रूप से तीन प्रकार से किया जाता है जैसे -

1. **रेमिंगटन (पारंपरिक) टंकण :** यह पुराने टाइपराइटर लेआउट पर आधारित है। कंप्यूटर पर 'कृतिदेव' जैसे फॉन्ट इसी लेआउट का उपयोग करते हैं।
2. **इनस्क्रिप्ट टंकण :** यह भारत सरकार द्वारा प्रमाणित मानक लेआउट है, जो 'मंगल' (Mangal) जैसे यूनिकोड फॉन्ट पर आधारित है। इसमें सभी भारतीय भाषाओं की टाइपिंग एक ही कीबोर्ड लेआउट से हो सकती है।
3. **फोनेटिक (ध्वन्यात्मक) टंकण :** इसमें हम अंग्रेज़ी (रोमन लिपि) में टाइप करते हैं और वह उच्चारण के अनुसार अपने आप हिंदी में बदल जाता है (जैसे- कीबोर्ड पर 'Mera' टाइप करने पर स्क्रीन पर 'मेरा' लिखा जाना)। आज मोबाइल और कंप्यूटर पर इसका सबसे ज़्यादा उपयोग हो रहा है।





Thank you!



We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.



Strive for Excellence – Your Path to Success